जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

11 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

ब्रह्मांड को समझना: जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 6वां वी. वी. नार्लीकर स्मारक व्याख्यान

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र ने 6वां वी. वी. नार्लीकर स्मारक व्याख्यान सफलतापूर्वक आयोजित किया जो अपने आप में एक अग्रणी भारतीय सापेक्षवादी प्रो विष्णु वासुदेव नार्लीकर की विरासत का जश्न मनाने के लिए समर्पित वार्षिक कार्यक्रम है और जिनके योगदान ने सैद्धांतिक भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान के क्षेत्र को सुंदर आकार प्रदान किया है। रमन अनुसंधान संस्थान के निदेशक प्रो तरुण सौरदीप इस वर्ष के प्रतिष्ठित वक्ता थे जिन्होंने "ब्रह्मांडीय उत्पत्ति की खोज" शीर्षक से एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के प्रख्यात विद्वानों, संकाय सदस्यों, छात्रों और शोधार्थियों ने भाग लिया और यह कार्यक्रम इस वार्षिक शैक्षणिक सभा के महत्व को दर्शाता है।

प्रो. तरुण सौरदीप का व्याख्यान ब्रह्मांड विज्ञान के सबसे मौलिक और गहन प्रश्नों पर केंद्रित था: ब्रह्मांड की उत्पति किस प्रकार हुई? उनके भाषण में प्रारंभिक ब्रह्मांड, ब्रह्मांडीय मुद्रास्फीति, ब्रह्मांडीय माइक्रोवेव पृष्ठभूमि और नवीनतम अवलोकन डेटा की गहराई से खोज की गई, जो ब्रह्मांड संबंधी हमारी समझ को आकार देते हैं। सटीक ब्रह्मांड विज्ञान और खगोल भौतिकी में अपनी विशेषज्ञता के साथ प्रो. सौरदीप ने प्रारंभिक ब्रह्मांड के भौतिकी को उजागर करने में ब्रह्मांडीय माइक्रोवेव पृष्ठभूमि विषमताओं और गुरुत्वाकर्षण तरंगों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने भावी पीढ़ी के अवलोकन मिशनों में प्रगति पर भी प्रकाश डाला, जिसमें भू-आधारित और अंतरिक्ष-आधारित दूरबीनें शामिल हैं, जिनका उद्देश्य ब्रह्मांडीय संरचना निर्माण पर बिग बैंग के छापों की गहराई से जांच करना है। साथ ही उन्होंने अगली पीढ़ी के अवलोकन मिशनों में प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें भू-आधारित और अंतरिक्ष-आधारित दूरबीनें शामिल हैं जिनका उद्देश्य ब्रह्मांडीय संरचना निर्माण पर बिग बैंग के छापों की गहराई से जांच करना है।

सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र के निदेशक प्रो. सुशांत घोष के स्वागत भाषण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रो. घोष ने अपने संबोधन में ब्रह्मांड संबंधी हमारी समझ को आकार देने में सैद्धांतिक भौतिकी और ब्रह्मांड विज्ञान के महत्व और इन क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र के योगदान की भूमिका पर रोशनी डाली । उन्होंने भौतिकविदों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने और एक जीवंत शैक्षणिक संस्कृति को बढ़ावा देने में वी. वी. नार्लीकर स्मारक व्याख्यान श्रृंखला के महत्व पर भी बल दिया। प्रो. ताबिश कुरैशी ने केंद्र की शोध गतिविधियों का परिचय दिया। प्रो. रथिन अधिकारी ने प्रो. वी. वी. नार्लीकर के महत्वपूर्ण योगदान और इस स्मारक व्याख्यान की विरासत के बारे में जानकारी दी। प्रो. अंजन सेन ने वक्ता का परिचय दिया और प्रो. सौरदीप के अवलोकन और सैद्धांतिक ब्रह्मांड विज्ञान में प्रभावशाली योगदान पर प्रकाश डाला। एक आकर्षक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ व्याख्यान का समाप्त हुआ जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस कार्यक्रम का सफल आयोजन पीएचडी शोधार्थियों, संकाय सदस्यों और सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र के कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों से संभव हुआ। उनकी सावधानीपूर्वक योजना और कड़ी मेहनत ने उपस्थित लोगों को एक सहज और बौद्धिक रूप से प्रेरक अनुभव सुनिश्चित किया। कार्यक्रम में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लगभग 70 शोधार्थियों सहित नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय और दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों ने भाग लिया। उनकी भागीदारी ने व्याख्यान के विषयों और वैज्ञानिक समुदाय की सहयोगी भावना में व्यापक शैक्षणिक रुचि को रेखांकित किया।

प्रख्यात वैज्ञानिक प्रो. वी. वी. नार्लीकर के सम्मान में नामित यह प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला एक आवश्यक शैक्षणिक पहल है जो बौद्धिक जुड़ाव को बढ़ावा देती है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के साथ बातचीत के माध्यम से हमारे शैक्षणिक समुदाय को प्रेरित करती है। पिछले कुछ वर्षों में इस श्रृंखला ने प्रो. एम. जी. के. मेनन, प्रो. सिराज-उल-हसन, प्रो. अजीत केम्भवी, प्रो. नरेश दाधीच और प्रो. पंकज जोशी जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं की मेजबानी की है।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र सामान्य सापेक्षता, ब्रह्मांड विज्ञान, क्वांटम क्षेत्र सिद्धांत और उच्च ऊर्जा खगोल भौतिकी में उत्कृष्टता का केंद्र बना हुआ है। अपने अभूतपूर्व शोध के लिए पहचाने जाने वाले सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र को 2015 में सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वी. वी. नार्लीकर स्मारक व्याख्यान वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देता है और युवा दिमागों को ब्रह्मांड के चमत्कारों का पता लगाने के लिए प्रेरित करता है। प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा अपने शोध को साझा करने के साथ, व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य सैद्धांतिक प्रगति को अवलोकन संबंधी सफलताओं के साथ जोड़ना जारी रखना है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया